## STANDARD 10 HINDI – STUDY NOTES BASED ON ONLINE CLASS BY KITE VICTERS

## EPISODE -18 DATE: 17-09-2021

पाठ का नाम : अकाल और उसके बाद

ഇന്നത്തെ ക്ലാസ് കാണാൻ ഇവിടെ ക്ലിക്ക് ചെയ്യക

1) किव ने अकाल का चित्रण किन किन दृश्यों के माध्यम से किया है ? उत्तर : चूल्हे का रोना , चक्की का उदास होना, कानी कुतिया का सोता रहना छिपकलियों की गश्त , चूहों की बुरी हालत आदि दृश्यों के माध्यम से किव ने अकाल का चित्रण किया है ।

है |

- 2) कवि ने अकाल का चित्रण किस प्रकार किया है ?
- उत्तर : अकाल के भीषण समय में चुल्हे रो रहे हैं। अर्थात् कई दिनों तक चूल्हा ठंडा पड़ा रहा। घर की दीवारों पर छिपकलियाँ खाना न मिलने के कारण विवश होकर घूम रहे हैं। चूहे पराजित सा हो गये है। चक्की उदास है कि उसका कोई उपयोग नहीं है क्यंंकि घर में दाने का अभाव है। अभाव के कारण चूहा भूखा है। कानी कुतिया भी उदास होकर चक्की के पास सोई है।
- 2) " दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद, धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद " इन पंक्तियों से किव क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर : किव ने यहाँ अकाल के बाद की स्थिति का वर्णन किया है। अकाल के बाद घर में दाने आने पर घर के आँगन से ऊपर धुआँ उठता है। अर्थात् चूल्हा जलने लगा है। यह घर में खाना पकाने की ओर इशारा करता है। अकाल की भीषण हालत अब बदल गयी है। 4) " चमक उठी घर भर की आँखें " - इस प्रयोग का मतलब क्या होगा ? उत्तर : यहाँ घर भर की आँखों का मतलब केवल मानव परिवार से नहीं है | चूल्हा, चक्की, कानी कुनिया, छिपकली, चूहा आदि सजीव हो उठे हैं । 5) " कौए ने खुजलाई पाँखे " - इसका क्या मतलब है? उत्तर : कौए भी नई आशा के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार हो उठते हैं । 6) किव ने अकाल के बाद की हालत का चित्रण किस प्रकार किया है ? उत्तर : घर के अंदर दाने आते हैं । बहुत दिनों के बाद दाने आ गए। घर भर की आँखें चमक उठती है । अभी भोजन बना नहीं है, लेकिन अन्न की आहट ने ही

आँखों में रोशनी भर दी है। फिर छत के ऊपर धुआँ उठता है। अर्थात् चूल्हा जल

गया है । कौए भी नई आशा के साथ पंख खुजलाकर आगे बढ़ने के लिए तैयार

7) अकाल और उसके बाद कविता की प्रासंगिकता पर टिप्पणी लिखें | उत्तर: कविवर नागार्जुन की कविता है अकाल और उसके बाद । इसमें वे यह दिखाना चाहते हैं कि अकाल का प्रभाव केवल मनुष्य पर ही नहीं पड़ता | सारे जीव- जंतु इससे प्रभावित हो जाते हैं । पूरी कविता में अकाल से जुड़ी गरीबी, भूख और पीड़ा का वर्णन है | ऐसी स्थिति में कुछ दाने आने पर होने वाले परिवर्तन और उल्लास का भी चित्रण है । आज भी समाज में गरीबों के घर की दशा यहीं है ।

## नवीन शब्दार्थ

हो उठते हैं ।

गश्त लगाना - റോന്ത് ചുറ്റുക , ഉലാത്തുക धुआँ - പുക ऑंगन - മുറ്റം चमक उठी - തിളങ്ങി पांख - पंख - ചിറക് दाना - अनाज , ω၁៣၂० खुजलाना - ചൊറിയുക चूहा - എലി